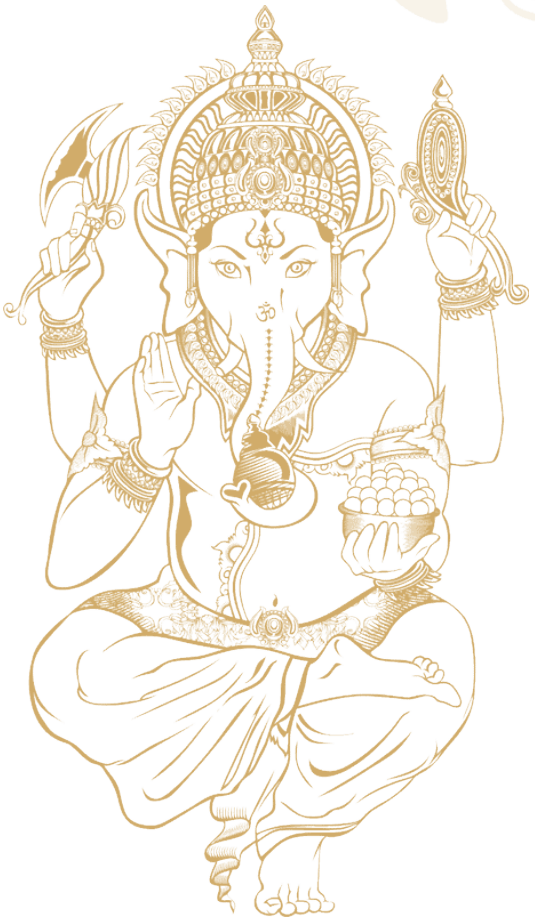

Tanishk

10 Jan 2026

04:53 PM

Amethi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121041504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/01/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:53:00 घंटे**
इष्ट	25:02:21 घटी
स्थान	**Amethi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:09:00 उत्तर
रेखांश	81:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:50:12 घंटे
वेलान्तर	-00:07:26 घंटे
साम्पातिक काल	00:10:12 घंटे
सूर्योदय	06:52:03 घंटे
सूर्यास्त	17:28:48 घंटे
दिनमान	10:36:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:59:58 धनु
लग्न के अंश	19:04:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:04:33	317:09:43	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			धनु	25:59:58	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	23:57:09	12:09:32	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	25:45:21	00:46:21	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	19:09:22	01:35:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:52:14	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	26:54:14	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			मीन	02:33:52	00:04:20	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:06:23	00:00:19	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:06:23	00:00:19	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:29:53	00:01:15	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:25:35	00:01:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:47:17	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	08:33:26	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

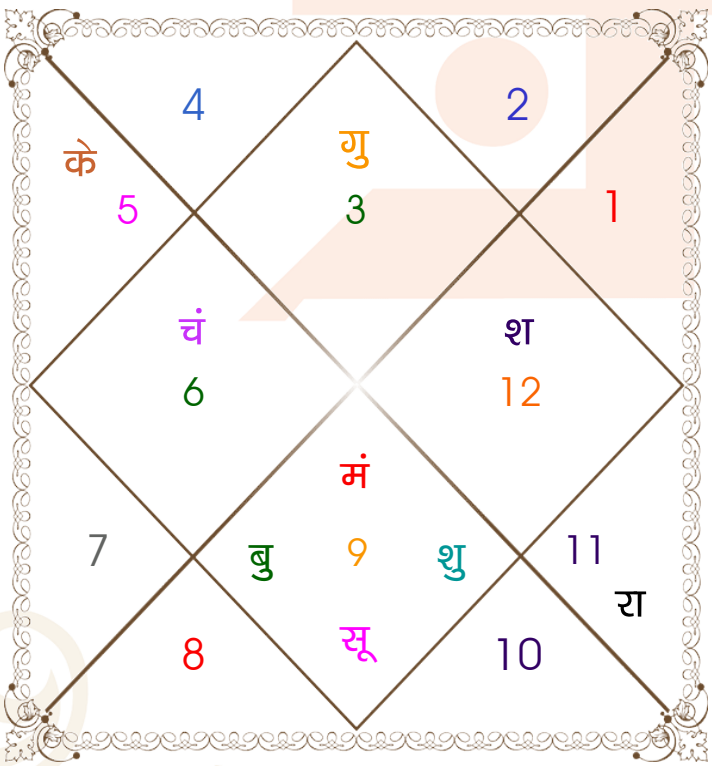

चन्द्र कुंडली

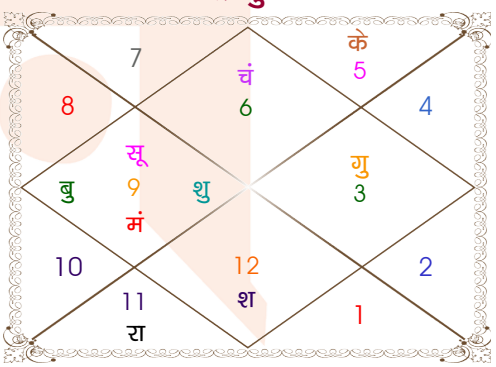

नवमांश कुंडली

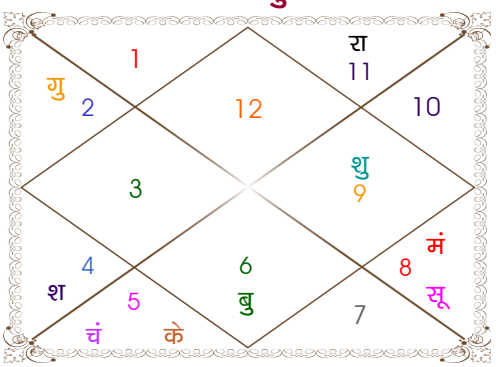

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 8 मास 3 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/01/2026		13/09/2032		14/09/2050		14/09/2066		13/09/2085	
13/09/2032		14/09/2050		14/09/2066		13/09/2085		15/09/2102	
मंगल	10/02/2026	राहु	27/05/2035	गुरु	01/11/2052	शनि	17/09/2069	बुध	10/02/2088
राहु	28/02/2027	गुरु	20/10/2037	शनि	15/05/2055	बुध	27/05/2072	केतु	06/02/2089
गुरु	04/02/2028	शनि	26/08/2040	बुध	20/08/2057	केतु	05/07/2073	शुक्र	08/12/2091
शनि	15/03/2029	बुध	15/03/2043	केतु	27/07/2058	शुक्र	04/09/2076	सूर्य	14/10/2092
बुध	12/03/2030	केतु	02/04/2044	शुक्र	27/03/2061	सूर्य	17/08/2077	चंद्र	15/03/2094
केतु	08/08/2030	शुक्र	03/04/2047	सूर्य	13/01/2062	चंद्र	18/03/2079	मंगल	12/03/2095
शुक्र	08/10/2031	सूर्य	25/02/2048	चंद्र	15/05/2063	मंगल	26/04/2080	राहु	29/09/2097
सूर्य	13/02/2032	चंद्र	26/08/2049	मंगल	20/04/2064	राहु	03/03/2083	गुरु	05/01/2100
चंद्र	13/09/2032	मंगल	14/09/2050	राहु	14/09/2066	गुरु	13/09/2085	शनि	15/09/2102

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/09/2102		14/09/2109		14/09/2129		15/09/2135		14/09/2145	
14/09/2109		14/09/2129		15/09/2135		14/09/2145		00/00/0000	
केतु	11/02/2103	शुक्र	14/01/2113	सूर्य	02/01/2130	चंद्र	15/07/2136	मंगल	11/01/2146
शुक्र	12/04/2104	सूर्य	14/01/2114	चंद्र	04/07/2130	मंगल	13/02/2137		00/00/0000
सूर्य	18/08/2104	चंद्र	15/09/2115	मंगल	08/11/2130	राहु	15/08/2138		00/00/0000
चंद्र	19/03/2105	मंगल	14/11/2116	राहु	03/10/2131	गुरु	15/12/2139		00/00/0000
मंगल	15/08/2105	राहु	15/11/2119	गुरु	21/07/2132	शनि	16/07/2141		00/00/0000
राहु	03/09/2106	गुरु	16/07/2122	शनि	03/07/2133	बुध	15/12/2142		00/00/0000
गुरु	09/08/2107	शनि	14/09/2125	बुध	10/05/2134	केतु	16/07/2143		00/00/0000
शनि	17/09/2108	बुध	15/07/2128	केतु	15/09/2134	शुक्र	16/03/2145		00/00/0000
बुध	14/09/2109	केतु	14/09/2129	शुक्र	15/09/2135	सूर्य	14/09/2145		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 8 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।